SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Programmer (Rajasthan)

प्रोग्रामर राजस्थान सरकार का वह पद है जहाँ कंप्यूटर की पढ़ाई सीधे सरकारी नौकरी में बदलती है। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग तथा अन्य विभागों में यह पद सरकारी सॉफ़्टवेयर एवं पोर्टल का विकास एवं रखरखाव, विभागीय आँकड़ों का...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-programmer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित

Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

प्रोग्रामर राजस्थान सरकार का वह पद है जहाँ कंप्यूटर की पढ़ाई सीधे सरकारी नौकरी में बदलती है। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग तथा अन्य विभागों में यह पद सरकारी सॉफ़्टवेयर एवं पोर्टल का विकास एवं रखरखाव, विभागीय आँकड़ों का प्रबंधन, उपयोगकर्ता विभागों की आवश्यकताओं को तकनीकी रूप में ढालना, तथा अधीनस्थ प्रोग्रामिंग स्टाफ़ का पर्यवेक्षण करता है। जिन पोर्टलों से आप छात्रवृत्ति का आवेदन करते हैं, जिन प्रणालियों से पेंशन एवं राशन जुड़ते हैं, और जिन आँकड़ों पर विभाग की रिपोर्ट बनती है — उनके पीछे यही संवर्ग काम करता है। यह उन कुछ राज्य-सरकारी पदों में है जहाँ बी.ई., बी.टेक., एम.एससी. अथवा एम.सी.ए. की डिग्री ही मुख्य योग्यता है, और जहाँ आपका तकनीकी कौशल प्रतिदिन के काम में सीधे लगता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	बी.ई. / बी.टेक. / एम.एससी. — सूचना प्रौद्योगिकी अथवा कंप्यूटर विज्ञान अथवा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार में; अथवा एम.सी.ए. — भारत में विधि द्वारा स्थापित मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से (सेवा नियम 1992, अनुसूची क्रमांक 5)। अनुभव की कोई शर्त नहीं।
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — विभाग: सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार
आयु-सीमा	21 से 40 वर्ष (40 वर्ष की सीमा 06-03-2018 के आदेश से प्रतिस्थापित) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें
माँग	50% सीधी भर्ती, 50% पदोन्नति — अर्थात् आधे पद सहायक प्रोग्रामर से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- प्रोग्रामिंग एवं सॉफ़्टवेयर बनाने में रुचि
- समस्या को तर्क से सुलझाना, और उस हल को दूसरों के काम आने वाली प्रणाली में बदलना

- आँकड़ों, डेटाबेस एवं प्रणालियों का व्यवस्थित प्रबंधन

क्षमताएँ

- तार्किक क्षमता — प्रोग्राम की गलती ढूँढ़ना धैर्य एवं क्रमबद्ध सोच दोनों माँगता है
- तकनीकी बात को गैर-तकनीकी अधिकारी को समझा पाना — सरकारी प्रोग्रामर का आधा काम यही है
- नई तकनीक स्वयं सीखते रहने की आदत, क्योंकि इस क्षेत्र में जो आज चल रहा है वह पाँच वर्ष बाद नहीं चलेगा

ज़रूरी कौशल

- कम से कम एक भाषा में ठोस प्रोग्रामिंग — जावा, सी#/डॉट नेट, पायथन अथवा पी.एच.पी.
- वेब एवं मोबाइल अनुप्रयोगों का विकास, क्योंकि सरकारी सेवाएँ अब इन्हीं के माध्यम से पहुँचती हैं
- आवश्यकताओं का संकलन एवं तकनीकी दस्तावेज़ीकरण
- डेटाबेस अभिकल्पना एवं एस.क्यू.एल.
- सूचना सुरक्षा एवं नागरिकों के आँकड़ों की गोपनीयता की समझ
- टीम एवं विक्रेता (वेंडर) के काम का पर्यवेक्षण — सरकारी परियोजनाएँ प्रायः बाहरी एजेंसियों से कराई जाती हैं

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान (गणित) से करें, यदि आप बी.ई. अथवा बी.टेक. का रास्ता लेना चाहते हैं। यही सबसे सीधा मार्ग है।
2. चार वर्ष की बी.ई. अथवा बी.टेक. करें — कंप्यूटर विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी अथवा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार में। ध्यान दें कि नियम में केवल ये तीन शाखाएँ हैं; मैकेनिकल, सिविल अथवा इलेक्ट्रिकल की बी.टेक. इस पद के लिए पात्र नहीं है।
3. अथवा एम.सी.ए. करें। यह वह रास्ता है जो इंजीनियरिंग न करने वाले स्नातकों के लिए खुला है — बी.सी.ए., बी.एससी. अथवा अन्य स्नातक इस मार्ग से आ सकते हैं, बशर्ते विश्वविद्यालय की अपनी गणित-संबंधी प्रवेश-शर्त पूरी हो, जो हर विश्वविद्यालय की अलग होती है और प्रवेश-विवरणिका में देखनी चाहिए।
4. एक बात जो कई विद्यार्थियों को देर से पता चलती है: बी.सी.ए. अथवा बी.एससी. (कंप्यूटर विज्ञान) अपने आप में इस पद के लिए पर्याप्त नहीं है। नियम स्नातक स्तर पर बी.ई./बी.टेक. माँगता है और स्नातकोत्तर स्तर पर एम.एससी. अथवा एम.सी.ए. — अर्थात् बी.सी.ए. के बाद एम.सी.ए. अथवा एम.एससी. करना आवश्यक होगा।
5. डिग्री ऐसे विश्वविद्यालय से होनी चाहिए जो भारत में विधि द्वारा स्थापित एवं मान्यता प्राप्त हो। निजी अथवा दूरस्थ शिक्षा से पढ़ते समय यह पहले ही जाँच लें, बाद में नहीं।
6. आयु 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति आने पर आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- सबसे महत्त्वपूर्ण बात पहले — इस पद की योग्यता के तीन अलग-अलग पाठ इंटरनेट एवं पुरानी कोचिंग सामग्री में घूमते हैं, और उनमें से दो अब लागू नहीं हैं। सबसे पुराना पाठ बेसिक एवं कोबोल के प्रशिक्षण तथा दो वर्ष के अनुभव की माँग करता था। बीच वाला पाठ (10.01.2013 से) एम.सी.ए./बी.ई./बी.टेक./एम.टेक./एम.बी.ए. (आई.टी.) के साथ जावा, डॉट नेट, वी.बी. अथवा जे2ईई में दो वर्ष का अनुभव माँगता था। वर्तमान में लागू पाठ इनसे भिन्न है और उसमें अनुभव की कोई शर्त नहीं है। इसका सीधा अर्थ यह है कि एक नया स्नातक इस पद के लिए पात्र है — यदि आपने कहीं पढ़ा हो कि दो वर्ष का अनुभव चाहिए, तो वह पुराना पाठ था।
- आर.पी.एस.सी. इस संवर्ग के दो पद अलग-अलग विज्ञापित करता है — प्रोग्रामर, तथा विश्लेषक-सह-प्रोग्रामर। दोनों की विज्ञप्तियाँ 2024 में आईं। ध्यान देने योग्य बात यह है कि विश्लेषक-सह-प्रोग्रामर की विज्ञप्ति उसे उप निदेशक श्रेणी का पद बताती है, अर्थात् वह ऊँचा पद है, प्रोग्रामर का दूसरा नाम नहीं। आवेदन करते समय यह भेद देख लें।
- भर्ती की संरचना समझ लेना उपयोगी है: 50% पद सीधी भर्ती से और 50% पदोन्नति से भरे जाते हैं। पहले यह अनुपात 60:40 था और उसे 01-04-2011 से प्रतिस्थापित किया गया। पदोन्नति सहायक प्रोग्रामर के पद से होती है, जिसके लिए पाँच वर्ष का अनुभव आवश्यक है। इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि विज्ञप्ति में जितने पद दिखते हैं, वे कुल स्वीकृत पदों का लगभग आधा ही होते हैं।
- चयन आयोग की भर्ती प्रक्रिया के अनुसार होता है और उसका विस्तृत स्वरूप — प्रश्न-पत्रों की संख्या, विषय एवं अंक — उसी चक्र की विज्ञप्ति में दिया जाता है। इस पृष्ठ पर वह विवरण नहीं लिखा गया है क्योंकि सेवा नियमों में परीक्षा की कोई निश्चित योजना अनुसूचित नहीं है; इसे विज्ञप्ति से ही देखें। तैयारी की दृष्टि से कंप्यूटर विज्ञान के मूल विषय — डेटा संरचना, डेटाबेस, ऑपरेटिंग सिस्टम, नेटवर्किंग एवं प्रोग्रामिंग — तथा राजस्थान का सामान्य ज्ञान, दोनों पर काम करना उपयोगी रहता है।

- ध्यान दें — यह पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं है, इसलिए इसके लिए सी.ई.टी. उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं। यह आयोग का पद है, बोर्ड का नहीं।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- MNIT Jaipur — B.Tech. and M.Tech. in Computer Science — जयपुर, राजस्थान (https://mnit.ac.in/)
- Rajasthan Technical University and its affiliated government engineering colleges — B.Tech. in CS, IT and Electronics & Communications — कोटा एवं राज्य भर के राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय (https://www.rtu.ac.in/)
- University of Rajasthan and the state universities — M.C.A. and M.Sc. (Computer Science) — जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, कोटा (https://uniraj.ac.in/)
- Government polytechnic colleges — the diploma route, which reaches Informatics Assistant and Assistant Programmer rather than this post — राजस्थान के अनेक ज़िलों में (https://dte.rajasthan.gov.in/)

ऑनलाइन

- सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, राजस्थान — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है (https://doitc.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) एवं एन.पी.टी.ई.एल. — कंप्यूटर विज्ञान के निःशुल्क पाठ्यक्रम, आई.आई.टी. के प्राध्यापकों द्वारा — भारत सरकार (https://swayam.gov.in/)

- AICTE and UGC — check whether a university or programme is recognised before you enrol — नियम मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय माँगता है, इसलिए यह जाँच पहले करें (https://www.ugc.gov.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

लागत इस बात पर निर्भर करती है कि आप कौन-सा रास्ता लेते हैं, और यही इस पद की सबसे व्यावहारिक बात है। राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय से बी.टेक. का शुल्क निजी महाविद्यालय की तुलना में कई गुना कम है, और प्रवेश आर.ई.ए.पी./जे.ई.ई. मेन के अंकों पर होता है — इसलिए कक्षा 12 के बाद की मेहनत सीधे पैसे में बदलती है। एम.सी.ए. का रास्ता प्रायः इससे भी सस्ता पड़ता है, क्योंकि राजकीय विश्वविद्यालयों में उसका शुल्क कम है और वह स्नातक किसी भी संकाय से करने के बाद लिया जा सकता है, बशर्ते विश्वविद्यालय की गणित-संबंधी शर्त पूरी हो। प्रोग्रामिंग सीखने के लिए महँगे संस्थान आवश्यक नहीं हैं — स्वयं एवं एन.पी.टी.ई.एल. पर आई.आई.टी. के पाठ्यक्रम निःशुल्क उपलब्ध हैं, और इस क्षेत्र में जो चीज़ सबसे अधिक गिनी जाती है वह है स्वयं बनाई गई परियोजनाएँ, न कि प्रमाण-पत्रों की संख्या। एक चेतावनी — निजी संस्थानों के "प्लेसमेंट गारंटी" वाले महँगे पाठ्यक्रम इस सरकारी पद की पात्रता में कुछ नहीं जोड़ते; नियम केवल डिग्री देखता है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, राज्य डेटा सेंटर, तथा विभिन्न विभागों की सूचना प्रौद्योगिकी इकाइयाँ — मुख्यतः जयपुर एवं ज़िला मुख्यालयों पर। काम लगभग पूरा कार्यालय एवं कंप्यूटर पर होता है।

कार्य-संस्कृति

यह पद निजी क्षेत्र की सॉफ़्टवेयर नौकरी से एक महत्त्वपूर्ण बात में भिन्न है, और उसे पहले से जान लेना ईमानदारी होगी। यहाँ काम की गति धीमी होती है और तकनीक प्रायः वह नहीं होती जो बाज़ार में सबसे नई है — सरकारी प्रणालियाँ वर्षों चलती हैं, इसलिए उन्हीं का रखरखाव अधिक होता है और नया निर्माण कम। दूसरी ओर, इसका पैमाना निजी क्षेत्र में कठिनाई से मिलता है: जो प्रणाली आप बनाते हैं उसका उपयोग लाखों नागरिक करते हैं, और एक गलती से किसी की पेंशन अथवा छात्रवृत्ति रुक सकती है। इसलिए यहाँ सावधानी की माँग असामान्य रूप से अधिक है। काम का एक बड़ा भाग तकनीकी नहीं, समन्वय का होता है — विभाग क्या चाहता है यह समझना, बाहरी एजेंसी से काम कराना और उसे जाँचना। जो विद्यार्थी केवल कोड लिखने के आकर्षण में आता है, उसे यह भाग अप्रत्याशित लगता है। वेतन एवं पदोन्नति की गति निजी क्षेत्र से धीमी रहती है, पर स्थिरता, निश्चित समय एवं सामाजिक सुरक्षा वहाँ नहीं मिलती।

कौन नौकरी देता है

- सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (डी.ओ.आई.टी. एंड सी.), राजस्थान
- विभिन्न विभागों, निदेशालयों एवं निगमों की सूचना प्रौद्योगिकी इकाइयाँ
- राजकॉम्प इन्फो सर्विसेज़ लिमिटेड (आर.आई.एस.एल.) एवं राज्य डेटा सेंटर
- ज़िला स्तर पर ई-मित्र एवं ई-गवर्नेंस की तकनीकी व्यवस्था

माँग (2026)

राज्य की लगभग हर सेवा अब ऑनलाइन है — छात्रवृत्ति, पेंशन, राशन, भूमि-अभिलेख, स्वास्थ्य एवं शिक्षा — और इस कारण सरकारी तंत्र में तकनीकी लोगों की आवश्यकता स्थायी रूप से बनी हुई है। फिर भी दो बातें ध्यान में रखें। पहली, इस संवर्ग के आधे पद पदोन्नति से भरते हैं, इसलिए सीधी भर्ती की रिक्तियाँ कुल पदों की लगभग आधी रहती हैं और विज्ञप्ति हर वर्ष नहीं आती। दूसरी, सरकार का बहुत-सा तकनीकी काम बाहरी एजेंसियों एवं संविदा पर लगे कर्मियों से कराया जाता है, इसलिए काम की मात्रा बढ़ने का अर्थ यह नहीं कि स्थायी पद उसी अनुपात में बढ़ेंगे। इस पद की तैयारी की एक बड़ी सुविधा यह है कि वही डिग्री एवं वही कौशल निजी क्षेत्र, केंद्र सरकार की भर्तियों, बैंकों की आई.टी. भर्तियों तथा सार्वजनिक उपक्रमों में भी काम आते हैं — अर्थात् तैयारी करते हुए विकल्प संकुचित नहीं होते। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. सूचना सहायक एवं सहायक प्रोग्रामर — इस संवर्ग के नीचे के पद; सहायक प्रोग्रामर पहले "कंप्यूटर ऑपरेटर" कहलाता था और उसका नाम बदला गया
2. प्रोग्रामर — 50% सीधी भर्ती से, 50% सहायक प्रोग्रामर से पाँच वर्ष के अनुभव पर पदोन्नति द्वारा
3. विश्लेषक-सह-प्रोग्रामर — आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति इसे उप निदेशक श्रेणी का पद बताती है
4. संयुक्त निदेशक एवं उससे ऊपर — विभाग की तकनीकी शाखा का वरिष्ठ स्तर

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹55,000 – ₹75,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹90,000 से अधिक (भत्तों सहित, वरिष्ठ स्तर पर)

1992 के सेवा नियमों की जो प्रति पढ़ी गई उसमें इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। एक बात स्पष्ट रूप से कह देना उचित है: इसी डिग्री पर निजी क्षेत्र की सॉफ़्टवेयर नौकरी का आरंभिक वेतन इससे अधिक हो सकता है, और अनुभव के साथ वह अंतर बढ़ भी सकता है। इस पद का पलड़ा वेतन से नहीं, स्थिरता, निश्चित समय, पेंशन-सुरक्षा एवं कार्य-जीवन के संतुलन से भारी होता है। यह चुनाव सोच-समझकर करें, किसी एक पक्ष को छिपाकर नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- तकनीकी डिग्री सीधे काम में लगती है — पढ़ाई और नौकरी के बीच का सम्बन्ध यहाँ सीधा है
- वर्तमान नियम में अनुभव की कोई शर्त नहीं, इसलिए नया स्नातक भी पात्र है
- वही योग्यता निजी क्षेत्र, केंद्रीय भर्तियों एवं बैंकों की आई.टी. भर्तियों में भी चलती है
- निजी क्षेत्र की तुलना में निश्चित समय एवं स्थिरता

चुनौतियाँ

- आधे पद पदोन्नति से भरते हैं, इसलिए सीधी भर्ती की रिक्तियाँ सीमित एवं अनियमित
- योग्यता की सूची बंद है — बी.सी.ए., बी.एससी. (सी.एस.) अथवा अन्य शाखाओं की बी.टेक. पात्र नहीं
- इसी डिग्री पर निजी क्षेत्र का आरंभिक वेतन अधिक हो सकता है
- तकनीक प्रायः नवीनतम नहीं होती, और काम का बड़ा भाग रखरखाव एवं समन्वय का रहता है

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान कम्प्यूटर राज्य एवं अधीनस्थ सेवा नियम, 1992 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/2023050806024281729 54Doit1992_merged.pdf

2. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

3. आर.पी.एस.सी. — प्रोग्रामर भर्ती विज्ञप्ति 2024 — https://rpsc.rajasthan.gov.in/Static/RecruitmentAdvertisements/54F7C36DA666446EBA3A9DD36BE40058.pdf

4. सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, राजस्थान — https://doitc.rajasthan.gov.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in